नई दिल्ली, बुधवार, 22 नवंबर से 28 नवंबर 2023

Website: www.rajneetiktarkas.in

@TarkasDigital @TarkasDigital @TarkasDigital @RajneetikTarkas

RNI.NO. DELHIN/2016/70363

राजनीतिक तरकस

देश का सबसे तेज साप्ताहिक

वर्ष-02 | अंक-09 | मूल्य -5 रु. | पृष्ठ-08

राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार

मिस यूनिवर्स 2023 का खिताब शेन्निस पलासियोस के नाम

हारने के बाद ड्रेसिंग रूम में प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

रोहित-कोहली का हाथ थामा, शमी को लगाया गले

● **नई दिल्ली, एजेंसी।**

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सवा लाख से अधिक फैंस के सामने ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। फाइनल में मिली इस करारी हार के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ी काफी मायूस दिखे। कप्तान रोहित शर्मा, मोहम्मद सिराज की आंखों से आंसू भी छलके। पोस्ट मैच सेरेमनी खत्म होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय ड्रेसिंग रूम में पहुंचे और उन्होंने गले लगाकर हर खिलाड़ी का हौसला बढ़ाया। इस मूमेंट की फोटोज अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं और फैंस ढट के अंदाज को सराह रहे हैं।

रविवार की रात ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार के बाद से ही चारों तरफ मानो शोक का सन्नाटा पसरा हुआ है। फैंस ही नहीं टीम के खिलाड़ी भी मैदान पर निराश दिखे, क्योंकि उनके सालों की मेहनत पर पानी फिर गया और भारत एक बार फिर ट्रॉफी जीतने से चूक गया। इस हार के बाद ड्रेसिंग रूम में भी काफी मायूसी थी, लेकिन तभी वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे और उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

कुछ इस अंदाज में की हौंसला अफजाई

इस दौरान एक फोटो काफी वायरल हो रही है, जिसमें पीएम रोते हुए मोहम्मद शमी को गले लगा रहे हैं। खुद शमी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा– 'बदकिस्मती से कल हमारा दिन नहीं था। पूरे टूनार्मेंट के दौरान हमारी टीम और मेरा सपोर्ट करने के लिए मैं सभी भारतीयों को धन्यवाद देना चाहता हूं। पीएम मोदी को ड्रेसिंग रूम में आकर हमारी हौसला अफजाई करने के लिए हम सभी शुक्रगुजार हैं। हम निश्चित तौर पर फिर से वापसी करेंगे।' बताते चलें, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल मैच खेला गया था। जहां, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंचे थे।

पहली बार जगी आशा की किरण, 41 मजदूरों तक पहुंचा 6 इंच का पाइप

नई दिल्ली। उत्तरकाशी टनल हादसे में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इस बीच हादसे के 9 दिन बाद पहली खुशखबरी मिली है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 41 मजदूरों तक लाइफ स्पोर्ट और खाने-पीने से जुड़ा सामान छह इंच पाइप के जरिए पहुंचाया गया है। दरअसल, ये पाइप पत्थर के आरपार न जाने की वजह से अटका हुआ था। यह 57 मीटर का पाइप अब आरपार हो चुका है। इस पाइप की सहायता से मजदूरों तक खाने के साथ चिकित्सा का सामान भी पहुंचाया जा रहा है। इससे पहले मजदूर भूना चने के साथ ड्राई फ्रूट्स खा रहे थे।

क्या हैं पांच विकल्प

- सतलुज जल विद्युत निगम द्वारा फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए सुरंग के ऊपर से वर्टिकल ड्रिलिंग होनी है ।
- रेल विकास निगम ने जरूरी आपूर्ति के लिए एक और वर्टिकल पाइपलाइन पर काम होना है।
- ओएनजीसी ने दूसरे छोर से वर्टिकल ड्रिलिंग पर काम आरंभ होना है ।
- सिल्क्यारा छोर से ड्रिलिंग जारी रखी गई है। इसकी सुविधा के लिए सेना ने बॉक्स पुलिया तैयार कर रखी है। मजदूरों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए केनोपी का ढांचा तैयार किया गया है।
- टेहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन माइक्रो टनलिंग पर काम हो रहा है।

पाली में पीएम मोदी ने दिया नया नारा

बंद करो तुष्टीकरण की दुकान, कमल चुनेगा राजस्थान

● **नई दिल्ली, एजेंसी।**

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी राज्य राजस्थान में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार विरासत और विकास दोनों को महत्व देती है। अफगानिस्तान में युद्ध हुआ तो हम अपने नागरिकों के साथ-साथ पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूपों को भी पूरे अदब के साथ वापस लाए। करतारपुर कॉरिडोर को खोलने का काम भी आपके इस सेवक ने ही किया। गुरुओं के प्रकाश पर्वों को देश-दुनिया में पूरी शान से मनाना हो या फिर साहिबजादों के बलिदान को समर्पित वीर बाल दिवस की घोषणा, ये सब भाजपा सरकार ने ही किया। कांग्रेस को कभी आपकी जरूरतों की चिंता नहीं रहती। अब तो कांग्रेस राजस्थान में नशे के तस्करों को भी बढ़ावा दे रही है। ये नशा हमारे बच्चों को ही नहीं बल्कि हमारे भविष्य को भी तबाह कर देगा, एक एक परिवार को बर्बाद कर देगा।

पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान में बीते 5 वर्षों में जो हुआ है, इसकी पूरी कथा लाल डायरी में लिखी है। डायरी लाल है, कारनामे काले हैं। 2014 से पहले भी हमारे यहां पद्म पुरस्कार दिए जाते थे। लेकिन तब ये सम्मान उनको मिलते थे जिनकी सत्ता में बैठे हुए लोगों तक पहुंच थी। 2014 के बाद गरीब से गरीब, गांव, देहात और जंगलों में मानव जाति के लिए, समाज के कल्याण के लिए जो समर्पित भाव से काम करता है, उन्हीं लोगों को पद्म सम्मान मिलता है। देश के हर घर तक पाइप से शुद्ध पानी पहुंचाने के लिए हमने जल जीवन मिशन अभियान चलाया है। मैंने राजस्थान के लिए भी इस योजना के अंतर्गत हजारों करोड़ रुपये भेजे हैं। लेकिन यहां की कांग्रेस सरकार ने इसमें भी घोटाला कर दिया और आपको विषैला पानी पीने के लिए छोड़ दिया। जिस कांग्रेस को आपके जीवन की परवाह नहीं है, ऐसी कांग्रेस को एक भी दिन रहने का हक है क्या?

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे बताया गया है कि हनुमानगढ़ और श्री गंगानगर से जब कैंसर ट्रेन बीकानेर जाती है, तो उसमें सीट तक नहीं मिलती, मरीजों की इतनी भीड़ होती है। कैंसर का फैलाव जिन कारणों से है, कहते हैं कि उनमें से पीने का पानी भी एक कारण है। ये नशा हमारे बच्चों को ही नहीं बल्कि हमारे भविष्य को भी तबाह कर देगा,

एक एक परिवार को बर्बाद कर देगा। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यहां भाजपा सरकार बनते ही नशे के तस्करों पर ऐसी कार्रवाई होगी, जिसे सुनकर और देखकर और लोग भी कांप जाएं। जहां भी कांग्रेस की सरकार होती है वहां उसकी प्राथमिकता भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद होता है।

संपादकीय

भारत-अमेरिका की यारी, दुनियां पर भारी

भारत और अमेरिका की यारी से दुनियां बहुत भौचकी होकर कह रही है, जहां दो यार मिल जाए वही सफलताओं की बरसात निश्चित है, और हो भी क्यों ना, क्योंकि आसमान से धरती तक और सुई से हवाई जहाज तक हर क्षेत्र की प्रौद्योगिकी में भारत औरअमेरिका एक दूसरे का प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से साथ दे रहा है जो दोनों देशों के समकक्ष उच्च नेतृत्व की उच्च प्रगाढ़यता का परिणाम है जो एक और एक ग्यारह वाले मुहावरे का संजीदिगी से काम कर रहे हैं। दोनों देशों का साथ-साथ और तालमेल इसी बात पर इसी तरह बना रहा तो सफलताओं की बुलंदियां दोनों देशों के कदमों में होगी। परंतु बहुत हद तक दोनों देशों में होने वाले 2024 के आम चुनाव के बाद नेतृत्व पर भी कुछ निर्भर करता है, चूंकि भारतीय वाणिज्य मंत्री 13-16 नवंबर 2023 को अपने अमेरिका यात्रा के सफल परिणाम लाए हैं, इसीलिए आज हम मीडिया पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे भारत अमेरिका के गतिशील स्टार्टअप तंत्र और उभरती प्रौद्योगिकियों को जोड़ने आशय पत्र पर हस्ताक्षर से दूरगामी बुलंद परिणाम निश्चित है। भारतीय वाणिज्य मंत्री के 13-16 नवंबर 2023 के अमेरिका दौरे की करें तो,सोमवार को वह सैनफ्रांसिस्को पहुंचे, जहां वह एशिया पैसिफिक इकॉनोमिक कॉपरेशन (एपीईसी) की बैठक में हिस्सा लिया। सैन फ्रांसिस्को में अमेरिका की कॉमर्स सेक्रेटरी (वाणिज्य मंत्री) जीना रेमंडो से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं की बैठक में भारत और अमेरिका के बीच व्यापारबाधाओं को पहचानने, उन्हें दूर करने, निवेश बढ़ाने और तकनीक और इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोगबढ़ाने पर बात हुई। दोनों नेताओं की बैठक में स्टार्टअप सिस्टम को बढ़ावा देने और इमर्जिंग तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी बात हुई। वाणिज्य मंत्री विभिन्न कंपनियों के सीईओ से भी मुलाकात की। साथ ही वह छात्रों, भारतीय मूल के लोगों और एंटरप्रेन्योर से भी मिले ।सिलिकॉन वैली और अमेरिकी कंपनियों को भारतमें इलेक्ट्रॉनिक्स सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी और फिनटेक आदि के क्षेत्र में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर के वाणिज्य मंत्री से भी मुलाकात की। क्या है आईपीईएफ? बता दें कि भारतीय वाणिज्य मंत्री इंडो पैसिफिक इकॉनोमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रोसपेरिटी (आईपीईएफ) की बैठक में शामिल होने अमेरिका गए थे। आईपीईएफ का गठन अमेरिका ने साल 2022 में किया था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देश शामिल हैं। आईपीईएफ का गठन सदस्य देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने, विकास को गति देने और हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि के उद्देश्य से हुआ था। आईपीईएफ में व्यापार, सप्लाई चेन, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था पर फोकस किया जाता है।

आओ त्योहारों के मौसम में छठ पर्व की बेला पर खुशियों से सराबोर होकर नहाए

किशन भावनानी, महाराष्ट्र

छठ के इस पावन पर्व पर मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुत: प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है।

कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस, जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है, क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम छठ की पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम छठ पर्व की बेला पर खुशियों से सराबोर होकर नहाने की करें तो, छठ पूजा का त्योहार 17 नवंबर से शुरू हुआ। इस साल छठ पूजा 19 नवंबर को हुई। इस दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। 20 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और इसी के साथ छठ पूजा का समापन व व्रत पारण किया जाएगा। छठ पर्व की शुरूआत नहाय-खाय के साथ होती है। इसके दूसरे दिन को खरना कहते हैं। इस दिन व्रती को पूरे दिन व्रत रखना होगा। शाम को व्रती महिलाएं खीर का प्रसाद बनाती हैं। छठ व्रत के तीसरे दिन सूर्य देव की पूजा की जाती है। इस दिन महिलाएं शाम के समय तालाब या नदी में जाकर सूर्य भगवान को अर्घ्य देती है। चौथे दिन सूर्य देव को जल देकर छठ पर्व का समापन किया जाता है। इस त्योहार को सबसे ज्यादा बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बंगाल में मनाया जाता है। साथ ही इसे नेपाल में भी मनाया जाता है। इस त्योहार को सूर्य षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। छठ पूजा का पर्व संतान के लिए रखा जाता है। छठ में 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा जाता है।

छठ सूर्य देव की पूजा को समर्पित पर्व है, प्रकृति से जुड़ा यह पर्व आध्यात्मिक चेतना जगाता है

साथियों बात अगर हम माननीय राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 18 नवंबर 2023 को देर शाम छठ पर्व पर बधाई संदेश की करें तो उन्होंने छठ पूजा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, छठ पूजा के शुभ अवसर पर, मैं सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। छठ सूर्य देव की पूजा को समर्पित पर्व है। यह नदियों, तालाबों और पानी के अन्य स्त्रोतों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है। प्रकृति से जुड़ा यह पर्व आध्यात्मिक चेतना जगाता है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है। छठ पूजा हमें अपने परिवेश को स्वच्छ रखने और अपने दैनिक जीवन में अनुशासन का पालन करने की याद दिलाती है।आइए हम अपने जल संसाधनों और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाकर प्रकृति माँ का सम्मान करने का संकल्प लें। इस शुभ अवसर पर, मैं सभी नागरिकों की खुशी और समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हूं।

साथियों बात अगर हम खुशी के छठ पर्व पर प्रसन्नता की बात करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम छठ के इस पावन पर्व पर मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुतः प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है। प्रसन्नता मानवों में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक भावना है। इसके होने के विभिन्न कारण हो सकते हैं: अपनी इच्छाओं की पूर्ति से संतुष्ट होना। अपने दिन-रात के जीवन की गतिविधियों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल पाना। साथियों बात अगर हम प्रसन्नता के लक्ष्यों की प्राप्ति की करें तो, प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक जितेंद्र तिवारी द्वारा इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18/19/20, सी ब्लॉक, सेक्टर 59, नोएडा, उ.प्र.-201301 से मुद्रति तथा ई-632/7 सी संगम विहार साउथ दिल्ली-110080 से प्रकाशित।
प्रकाशित लेखों से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।
प्रधान संपादक :- जितेंद्र तिवारी
प्रबंध संपादक :- राजेश तिवारी
RNI.NO. DELHIN/2016/70363
Email:tarkasnews@gmail.com
Mob:- 9990170069
Website: www.rajneetiktarkas.in

भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पुरोधा हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

- लोकसभा चुनाव में भारत की संस्कृति, गौरवमय विरासत एवं समृद्ध इतिहास जैसे शाश्वत मुद्दें पर जनजागरण का माहौल बनाया जाना चाहिए।
- सांस्कृतिक वैभव को आजादी के अमृतकाल में अमृत-छटा प्रदान करने के कार्य नये भारत-सशक्त भारत के प्रतीक बन रहे हैं।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुड गवर्नंस के हर पहलू में बेहतर प्रदर्शन किया है और भारत को आध्यात्मिकता, तकनीक, संस्कृति, विज्ञान और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी लोकतंत्र बनाया है।

भारतीय संस्कृति का केंद्र हिंदू धर्म है, जो सिर्फ एक धर्म नहीं बल्कि एक व्यापक जीवन शैली है। भारतीय संस्कृति का लोकाचार हिंदू धर्म के सिद्धांतों और इसके सह-अस्तित्व और वसुधैव कुटुंबकम के मूल दर्शन के साथ जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री संस्कृतिपुरुष नरेंद्र मोदी ने भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पुरोधा युगपुरुष बनकर न केवल संस्कृति का संरक्षण किया बल्कि उसके पुनर्जागरण के अभूतपूर्व एवं विलक्षण उपक्रम करके एक बार फिर भारत की संस्कृति को जीवंतता, हिमालयी ऊंचाई एवं समुद्र-सी गहराई प्रदान की है। प्राचीन काल से ही भारत दुनिया में अध्यात्म, कला, विज्ञान और तकनीक से जुड़े ज्ञान का केंद्र माना जाता रहा है।

बीच में एक दौर ऐसा भी आया जब विदेशी शासकों और औपनिवेशिक युग ने कई भारत की गौरवशाली संस्कृति एवं समृद्ध विरासत को भारी नुकसान पहुंचाया कि उन्हें आज तक फिर जिंदा नहीं किया जा सका। आजादी के बाद भी इस तरह की स्थितियों का बना रहना दुर्भाग्यपूर्ण रहा। पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव एवं अगले वर्ष के प्रारंभ में होने वाले लोकसभा चुनाव में भारत की संस्कृति, गौरवमय विरासत एवं समृद्ध इतिहास जैसे शाश्वत मुद्दें पर जनजागरण का माहौल बनाया जाना चाहिए। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 'विकास भी विरासत भी' के नारे के तहत सांस्कृतिक पुनर्जागरण के विलक्षण प्रयास किये हैं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान प्रणालियों, परंपराओं और सांस्कृतिक लोकाचार को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के कार्य को अत्यधिक महत्व दिया है। अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का जीर्णोद्धार और उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर के निर्माण ने हमारे प्राचीन इतिहास के अहम पहलुओं को फिर से उजागर किया है। ऐसे महत्वपूर्ण काम हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के स्थायी साक्ष्य के रूप में देश की स्मृति में अंकित हो रहे हैं। सांस्कृतिक वैभव को आजादी के अमृतकाल में अमृत-छटा प्रदान करने के कार्य नये भारत-सशक्त भारत के प्रतीक बन रहे हैं। अपने प्रभावी एवं सफल दूसरे शासनकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को देश की एकता के साथ जोड़ने का काम किया है। धर्म के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के जरिये उन्होंने कई ऐसे कार्यक्रम शुरू किए हैं, जो बेहतर अवसरों के साथ भारत को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा रहे हैं। योग दिवस हो, अहिंसा दिवस हो, जी-20 की अध्यक्षता हो या इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट्स प्रोग्राम जैसे ऐतिहासिक एवं अनूठे उपक्रमों के साथ प्रधानमंत्री मोदी ऐसे नेता साबित हुए हैं, जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों से मजबूती से जुड़े हुए हैं और संस्कृति को मजबूती देते हुए उसे नये आयाम दे रहे हैं। उनकी हर साल केदारनाथ यात्रा, सैनिकों के साथ दिवाली मनाना, बोहरा समुदाय के साथ विभिन्न धर्म-सम्प्रदाय के नेताओं के साथ आत्मीय नाता भारत के विविध सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उपक्रमों को ही दशार्ते हैं। सामाजिक एवं साम्प्रदायिक विभाजन और दुष्प्रचार के बीच, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद, राजनीति के अपराधीकरण के खिलाफ उनकी अटूट जंग भारत को अभिजात्य प्रभुत्व से मुक्त कराने में अहम है। राष्ट्र की इस दिव्यता के पीछे जो प्रचुर आस्था है, उसे बस राजनीतिक इच्छाशक्ति के रूप में देखना सतही होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुड गवर्नंस के हर पहलू में बेहतर प्रदर्शन किया है। कई दशकों की उपेक्षा के बाद, भारत के लंबे सभ्यतागत इतिहास वाले विभिन्न संस्कृति एवं धर्म स्थलों को संरक्षण, पुनरुद्धार और विकास परियोजनाओं के माध्यम से पुनर्जीवित किया गया है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और वाराणसी में कई अन्य परियोजनाओं ने शहर की गलियों, घाटों और मंदिर परिसरों को बदल दिया है। इसी तरह, उज्जैन में महाकाल लोक परियोजना और गुवाहाटी में मां कामाख्या कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं से मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों के अनुभव को समृद्ध करने, उन्हें विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के साथ-साथ पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एक ऐतिहासिक क्षण में, अगस्त 2020 में अयोध्या में राम मंदिर का राष्ट्र मन्दिर के रूप में भूमि पूजन हुआ और अब भव्य मंदिर वर्ष 2024 के प्रारंभ में बनकर तैयार हो जायेगा।

भारतीय संस्कृति का केंद्र हिंदू धर्म है, जो सिर्फ एक धर्म नहीं बल्कि एक व्यापक जीवन शैली है। भारतीय संस्कृति का लोकाचार हिंदू धर्म के सिद्धांतों और इसके सह-अस्तित्व और वसुधैव कुटुंबकम के मूल दर्शन के साथ जुड़ा हुआ है। हिंदू धर्म ने वह आधार प्रदान किया है जिस पर समय के साथ विभिन्न उप-संस्कृतियाँ उभरीं और विकसित हुईं। पूरे इतिहास में, भारत की संस्कृति को आक्रमणकारियों और उपनिवेशवादियों से चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिनका उद्देश्य इसके सांस्कृतिक ताने-बाने को नष्ट करना था। इस्लामी आक्रमणकारियों ने मंदिरों को निशाना बनाया, जो न केवल पूजा स्थल थे बल्कि शिक्षा, कला, नृत्य, संगीत और संस्कृति के केंद्र भी थे।

देश-धर्म की रक्षा की प्रेरणा देता है सिख गुरुओं का त्याग और बलिदानः सीएम योगी

- सीएम योगी ने आलमबाग में खालसा चौक का किया लोकार्पण
- बोले सीएम- हम सबको अपने इतिहास पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए

● लखनऊ, एजेंसी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आलमबाग में खालसा चौक का लोकार्पण किया। टेढ़ी पुलिया के नाम से जाना जाने वाला यह चौराहा अब खालसा चौक के नाम से जाना जाएगा। इस दौरान उन्होंने लोगों को बधाई देते हुए इशारों-इशारों में सपा सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित होने वाली इफ्तार पार्टी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि उनसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय में अन्य तरह के आयोजन होते थे। वहीं प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय में गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व का भव्य आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिख धर्म के दसवें गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिन्द सिंह जी के ज्योति ज्योत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरू गोविंद सिंह महाराज ने विदेशी आक्रांताओं से भारत के धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की थी। इस पंथ ने मातृभूमि की रक्षा में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग और बलिदान हम सबको देश और धर्म की रक्षा की प्रेरणा प्रदान करता है।

राम मंदिरः जनवरी में होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

● अयोध्या, एजेंसी।

अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में राम लला की 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। अब प्राण प्रतिष्ठा का शुभ मूहूर्त भी सामने आ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। इस मौके पर यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा राष्ट्री स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के साथ-साथ तमाम प्रतिष्ठित और खास मेहमान मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही धर्मनगरी अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा आज यानी 20 नवंबर की रात से शुरू होने जा रही है। मयार्दापुरुषोत्तम राम के मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को अभिजीत मुहूर्त मृगषिरा नक्षत्र में दोपहर 12:20 बजे की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। बता दें कि इस समारोह को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप देने के लिए साकेत निलयम में कल (रविवार) को संघ परिवार की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समारोह के अभियान को चार चरणों में बांटकर तैयारियों करने का निर्णय लिया गया। पहला चरण 19 नवंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा। जिसमें समारोह की कार्ययोजना की रूपरेखा तैयारी की जाएगी। इसमें छोटी-छोटी संचालन समितियां बनाई जाएंगी। इसके अलावा जिला और खंड स्तर पर दस-दस लोगों की टोली बनाने का निर्णय लिया गया है।

दिल्ली की हवा अब भी बेहद खराब, एनसीआर के ज्यादातर शहरों में एक्यूआई 300 के पार

- दमघोंटू बनी हुई है दिल्ली की हवा
- 'बेहद खराब' श्रेणी में दिल्ली का एक्यूआई
- प्रदूषण से अभी राहत की उम्मीद नहीं

● नई दिल्ली, एजेंसी।

दिवाली के एक सप्ताह बाद राजधानी दिल्ली की हवा जहरीली बनी हुई है। राष्ट्रीय राजधानी के ज्यादातर इलाकों में अब भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, राजधानी में सोमवार सुबह वायु गुणवत्ता का स्तर 430 के पार पहुंच गया। इस दौरान आनंद विहार में एक्यूआई 388 और आरके पुरम में 353 रहा। जबकि पंजाबी बाग में 419 और आईटीओ में 335 एक्यूआई रहा। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक, आने वाले दिनों में दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के साथ साथ कोहरा भी छाने लगेगा।

एनसीआर के ज्यादातर शहरों में एक्यूआई 'बेहद खराब'

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, पूरी दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है। मंगलवार सुबह आनंद विहार में एक्यूआई 374 जहांगीरपुरी में 399, लोधी रोड में 315, न्यू मोती बाग में 370 रहा। सोमवार शाम दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक 348 रहा। जबकि इस दौरान गाजियाबाद का एक्यूआई 321 और ग्रेटर नोएडा में वायु गुणवत्ता सूचकांक 318 रहा। उधर फरीदाबाद में एक्यूआई 329 रहा जबकि नोएडा का एक्यूआई 331 मापा गया। इन सभी शहरों की वायु की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में है। जबकि गुरुग्राम में एक्यूआई 300 से नीचे दर्ज किया गया। गुरुग्राम में एक्यूआई 261 दर्ज किया गया। जो खराब श्रेणी में है। विभाग के मुताबिक, अगले कुछ दिनों तक वायु की गुणवत्ता में ज्यादा सुधार की संभावना भी नहीं है।

अब भी हो रही पराली जलाने की घटनाएं

पंजाब और हरियाणा में अब भी पराली जलाने के मामले सामने आ रहे हैं। दोनों राज्यों के खेतों में लगातार पराई जलाई जा रही है। जिससे चलते दिल्ली की हवा दमघोंटू बनी हुई है। दीवाली से पहले 10-11 नवंबर को यहां पराली जलाने की घटनाएं कम हुई थी। क्योंकि दिवाली से पहले हुई बूंदाबांदी के बाद यहां कम संख्या में पराली जलाने के मामले सामने आए थे। लेकिन दीवाली के बाद एक बार फिर से पराली जलाने की घटनाओं में तेजी होने लगी। 15 नवंबर को पंजाब में पराली जलाने की 2,544 घटनाएं दर्ज की गई।

गुरुवार तक 'बेहद खराब' श्रेणी में रहेगी दिल्ली की हवा

भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान के मुताबिक, सोमवार को हवाओं का रुख उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर रहा। इस दौरान हवा की गति 8 किमी प्रतिघंटा रही। मंगलवार को हवाओं के उत्तर-पश्चिम से चलने का अनुमान है। इस दौरान हवा बेहद खराब श्रेणी में बनी रहेगी। वहीं गुरुवार को हवाओं का रुख पूर्व की दिशा से रह सकता है। इस दौरान हवा की गति 8 किमी प्रतिघंटे रहने की संभावना है। जिसके चलते राजधानी और उसके आसपास के शहरों में हवा की गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में बनी रहेगी।

राजधानी में पहुंच रहा पराली का धुंआ

रविवार (19 नवंबर) को पंजाब में पराली जलाने के कुल 740 मामले दर्ज किए गए। राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता पर पराली जलाने का असर भी दिखाई दे रहा है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा तैयार डिसीजन सपोर्ट सिस्टम के आंकड़ों के मुताबिक 15 नवंबर को दिल्ली की हवा में पराली के धुएं की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत थी। डिसीजन सपोर्ट सिस्टम का अनुमान है कि अब अगले कुछ दिनों में पराली की हिस्सेदारी कम होगी। उसके बाद प्रदूषण में कमी आएगी। बता दें कि 3 नवंबर को दिल्ली की हवा में पराली के धुएं की मात्रा 35 फीसदी थी।

आठ साल में सर्वाधिक प्रदूषित रह सकता यह नवंबर

वर्ष 2023 का यह नवंबर माह गत आठ वर्षों में सर्वाधिक प्रदूषित रह सकता है। "गंभीर" श्रेणी के दिनों की संख्या में यह माह वर्ष 2020 एवं 2022 की बराबरी तो कर ही चुका है। 2019 कभी भी पीछे छूट सकता है तो माह पूरा होने तक 2021 का रिकार्ड भी टूट जाने के आसार हैं। मालूम हो कि माह के 19 दिनों के दौरान इस साल दिल्ली ने आठ दिन "गंभीर" श्रेणी का प्रदूषण झेला है। 2022 में यह केवल तीन दिन था तो 2020 और 2021 में आठ आठ दिन था जबकि 2019 में नौ दिन था। सेंटर फार साइंस एंड एन्वायरमेंट (सीएसई) द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को लेकर किए गए एक विस्तृत विश्लेषण से आया सामने आया है कि प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों और पराली जलाने की घटनाओं ने इस साल प्रदूषण को और भी खतरनाक बना दिया। विश्लेषण के अनुसार वाहनों, उद्योग, बिजली संयंत्रों, अपशिष्ट जलाने, निर्माण और धूल स्रोतों से उत्सर्जन में कटौती के लिए स्थानीय और क्षेत्रीय स्तर पर एक बड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है। दिल्ली सरकार इन्हीं कारकों पर लगातार सुधार का दावा तो कर रही है, लेकिन यही प्रदूषण में इजाफे का कारण बन रहे हैं। विश्लेषण में कहा गया है कि नवंबर की शुरूआत में एक ही दिन के भीतर दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 का स्तर आश्चर्यजनक तरीके से 68 प्रतिशत तक बढ़ गया।

पंजाब के हेल्थ मॉडल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान, विश्व स्वास्थ्य समिट में पहला स्थान

● पंजाब, एजेंसी।

पंजाब में संचालित आम आदमी क्लीनिक को विश्व स्वास्थ्य समिट में पहला स्थान मिला है। आम आदमी क्लीनिक को यह सम्मान केन्या की राजधानी नैरोबी में आयोजित ग्लोबल हेल्थ सप्लाई चेन समिट में मिला है। इसके साथ ही समिट में शामिल 85 देशों के प्रतिनिधियों ने पंजाब के इस स्वास्थ्य मॉडल की प्रशंसा की है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने यह जानकारी दी।

दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर आम आदमी क्लीनिक की शुरूआत

भगवंत मान ने कहा कि हम पंजाब को हेल्दी बनाने की दिशा में मजबूती के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा सपना पंजाब के लोगों की सेहत और खुशहाली है। आपको बता दें कि पंजाब में भगवंत मान के नेतृत्व में बनी आम आदमी पार्टी की सरकार के बाद राज्य में दिल्ली मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर आम आदमी क्लीनिक की शुरूआत की है। इस क्लीनिक में कोई भी शख्स जाकर अपनी उपचार करा सकता है। पंजाब में इन क्लीनिक्स को अलग-अलग इलाकों में स्थापित किया गया है।

आम आदमी क्लीनिक को इंटरनेशनल लेवल पर मिली पहचान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जानकारी देते हुए बताया कि आम आदमी क्लीनिक को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वाह वाही मिली है। उन्होंने कहा कि पंजाब का स्वास्थ्य मॉडल बना इंटरनेशनल लेवल पर मिसाल बना है। पंजाब की सीएम मान ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स (पूर्व में ट्वीटर) पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि ये पंजाब के लिए गौरव के क्षण हैं। हमारे आम आदमी क्लीनिक को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। केन्या की राजधानी नैरोबी में आयोजित हेल्थ सप्लाई चेन समिट में क्लीनिक को पहला स्थान मिला है। इसके साथ ही दुनिया के 85 देशों से पहुंचे प्रतिनिधियों ने पंजाब के हेल्थ मॉडल की सरहाना की है। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि है और पंजाब का हेल्थ डिपार्टमेंट इसके लिए बधाई का पात्र है। इससे हमें और शक्ति मिली है।

4 लाख नौकरी, 50 लाख का बीमा समेत कांग्रेस ने राजस्थान में लगाई वादों की झड़ी

- राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर हलचलें तेज
- सीएम अशोक गहलोत की मौजूदगी में कांग्रेस ने जारी किया घोषणा पत्र
- कांग्रेस ने युवाओं, महिलाओं और किसानों को साधने की कोशिश की

● नई दिल्ली, एजेंसी।

राजस्थान की 200 विधानसभा सीटों के मतदान की तारीख अब बहुत नजदीक आ चुकी है। 25 नवंबर को प्रदेश के दिग्गजों का भाग्य ईवीएम में कैद हो जाएगा। यही वजह है कि तारीख के नजदीक आते ही राजनीतिक दल अपने-अपने वोटरों को लुभाने के लिए वादों की बारिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस ने मंगलवार को अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया। इस घोषणा पत्र के सहारे सीएम अशोक गहलोत ने हर तबके को साधने की कोशिश की है। आइए जानते हैं कि राजस्थान के रण में अंतिम समय पर आए कांग्रेस के घोषणा पत्र में क्या कुछ खास है।

सीएम अशोक गहलोत का अंतिम दांव

कांग्रेस के दिग्गज नेता और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव की अपनी अंतिम चाल चल दी है। मंगलवा 21 नवंबर को पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र को जारी करते

वक्त सीएम अशोक गहलोत के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सीपी जोशी समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। अपनी सत्ता को बरकरार रखने के लिए कांग्रेस ने जनता से कई लुभावने वादे किए हैं।

किसानों से लेकर युवाओं तक सबके लिए कुछ खास

कांग्रेस की सरकार एक बार फिर वापसी करती है तो इसमें किसानों से लेकर युवाओं और महिलाओं तक के लिए कुछ ना कुछ खास रहेगा। किसानों को जहां 2 फीसदी ब्याज पर ऋण मुहैया करवाया जाएगा वहीं 4 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे।

ये कांग्रेस के घोषणा पत्र की खास बातें

- स्वास्थ्य बीमा की रकम में इजाफा, इसे 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख करने का वादा
- राजस्थान में गवर्नेंस का नया मॉडल तैयार किया जाएगा
- किसानों के 2 फीसदी ब्याज पर लोन लेने की सुविधा
- 4 लाख नए रोजगारों का किया जाएगा सृजन
- कांग्रेस के सत्ता में आने पर की जाएगी जाति जनगणना
- कारोबारियों को बिना ब्याज के 5 लाख रुपए तक का लोन लेने का सुविधा
- पंचायत स्तर पर की जाएंगी नई भर्तियां, डीग मजदूर भी बिना ब्याज के लिए लोग ले सकेंगे
- हर साल घर की मुखिया महिला को 10000 रुपए दिए जाएंगे
- हर घर या परिवार में 2 पशुओं का बीमा भी कराया जाएगा
- गोबर की खरीदारी महज 2 रुपए प्रति किलो में की जा सकेगी
- कॉलेज स्टूडेंट्स को फ्री लैपटॉप दिए जाएंगे।

प्रदेश की अर्थव्यवसाया को लेकर भी कही बड़ी बात

सीएम गहलोत ने घोषणा पत्र जारी करने के साथ ही प्रदेश की अर्थव्यवस्था को लेकर भी बड़ी बता कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो वादा करती है उसे जरूर पूरा करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था इस वर्ष के अंत तक 15 लाख करोड़ रुपए हो जाएगी, जबकि 2030 तक इस 30 लाख करोड़ यानी दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। जो कांग्रेस के शासन काल में जरूर पूरा होगा।

राष्ट्रपति बनने के बाद द्रौपदी मुर्मू दूसरी बार अपने पैतृक गांव में, तीन नई ट्रेनों को दिखाएंगी हरी झंडी

● जमशेदपुर, एजेंसी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बदामपहाड़ स्टेशन से तीन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी। राष्ट्रपति बनने के बाद द्रौपदी मुर्मू दूसरी बार अपने पैतृक गांव पहुंच रही हैं। राष्ट्रपति के इस कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास, केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, रेल व सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, जनजातीय मामलों व जलशक्ति केंद्रीय राज्यमंत्री विश्वेश्वर टुडू सहित रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा, चक्रधरपुर मंडल के डीआरएम अरुण जे राठौड़ सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति अमृत भारत योजना के तहत बदामपहाड़ स्टेशन के पुर्नविकास व अन्य यात्री सुविधाओं का भी शिलान्यास करेंगी। इसके अलावा वे रायरंगपुर में नए डाक प्रमंडल सहित जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा विभिन्न परियोजनाओं का अनावरण भी करेंगी। मालूम हो कि द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने के बाद रेल प्रशासन बदामपहाड़ सेक्शन को विकसित कर रही है। इसमें कई स्टेशनों का पुर्नविकास, रेल लाइन डबलिंग, 100 प्रतिशत विद्युतीकरण, यात्री सुविधाओं में बढ़ोतरी, प्लेटफार्म की लंबाई व ऊंचाई को बढ़ाने सहित कई योजनाएं शामिल हैं। वर्तमान में बदामपहाड़ के लिए टाटानगर से केवल एक ही ट्रेन का परिचालन होता है।

इन ट्रेनों का होगा परिचालन

- 18049–18050, शालीमार–बदामपहाड़–शालीमार साप्ताहिक एक्सप्रेस
- 18051–18052 बदामपहाड़–राउरकेला–बादामपहाड़ साप्ताहिक एक्सप्रेस
- 08147–08148 टाटानगर–बदामपहाड़–टाटानगर मेमू

एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारे बनाएगी योगी सरकार

● लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश में नए-नए एक्सप्रेसवे बनाकर न सिर्फ प्रदेश की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया जा रहा है, बल्कि इन एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक केंद्रों की स्थापना करके इसे औद्योगिक गलियारे के रूप में विकसित करने पर भी काम किया जा रहा है।

इस संबंध में सीएम योगी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) ने औद्योगिक केंद्रों के लिए स्थलों को चिह्नित कर लिया है। योजना के अनुसार यूपीडा प्रदेश में 5 एक्सप्रेसवेज के किनारे औद्योगिक केंद्रों की स्थापना करेगा। इनमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे एवं गंगा एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इस पर योगी सरकार अनुमानित 7 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च करेगी। सीएम के समक्ष प्रस्तुत किया चिह्नित स्थलों का विवरणः शनिवार को ही यूपीडा ने एक उच्चस्तरीय बैठक में सीएम योगी के समक्ष इन पांचों एक्सप्रेसवेज के किनारे चिह्नित औद्योगिक गलियारों का विवरण प्रस्तुत किया। इसके अनुसार प्रदेश के कुल 12 जनपदों को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेसवे पर 11 स्थलों को औद्योगिक गलियारे के लिए चुना गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 1522 हेक्टेयर है। इस पर करीब 2300 करोड़ के अनुमानित व्यय का अनुमान है। इसी तरह, 7 जनपदों को जोड़ने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे 6 स्थलों को चिह्नित किया गया है। इसका प्रस्तावित क्षेत्रफल 1884 हेक्टेयर है, जिस पर 1500 करोड़ से ज्यादा व्यय का अनुमान है।

भूमि क्रय के लिए दरों का निर्धारण प्रक्रियाधीन

यूपीडा की ओर से चिह्नित सभी 30 स्थलों से जुड़े 108 ग्रामों को प्रदेश सरकार की ओर से अधिसूचित किया जा चुका है। वहीं भूमि क्रय के लिए संबंधित 6 जिलाधिकारियों को 200 करोड़ रुपए भी जारी किए जा चुके हैं। साथ ही भूमि क्रय के लिए बुंदेलखंड औद्योगिक प्राधिकरण की तर्ज पर 1500 करोड़ रुपए अवमुक्त किए जाने का आदेश भी निर्गत किया जा चुका है।

छठ पूजा 2023: देशभर में छठ पूजा की धूम डूबते हुए सूर्य को ऐसे दिया गया अर्घ्य

पूरे देश में छठ पूजा का पर्व मनाया जा रहा है। विशेषकर बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और देश की राजधानी दिल्ली में छठ पूजा की रौनक देखने को मिल रही है। छठ पूजा में भगवान सूर्यदेव की अराधना की जाती है। छठ का त्योहार पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में मनाया जाता है। छठ पूजा की शुरूआत नहाय खाय के साथ होती है। रविवारको छठ को छठ पूजा का तीसरा दिन था। इस दौरान दिल्ली से लेकर बिहार तक सूर्य को अर्घ्य देने की तस्वीरें सामने आईं।

बिहार की राजधानी पटना में दीया गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान भक्तों ने सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। राजधानी दिल्ली में भी आईटीओ यमुना घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सूर्यदेव को अर्घ्य देकर छठ महापर्व मनाया। बता दें कि छठ महापर्व पर सूर्य देव के अर्घ्य देने वाले पानी में दूध डाला जाता है। सूर्यास्त के समय व्रत रखने वाली महिलाओं के साथ परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहते हैं। इस दौरान दिन बांस से बनी टोकरी (जिसे लोक भाषा में सूप कहा जाता है) में फल, ठेकुआ, गन्ना, नारियल, फूल, चावल के लड्डू, मूली, कंदमूल आदि रखकर पूजा करती हैं। उसके बाद सूर्यदेव के अर्घ्य दिया जाता है।

छठ पर बिहार के सीएम ने दिया अर्घ्य

छठ महापर्व के मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी सूर्यदेव के अर्घ्य देते नजर आए। सीएम नीतीश ने पटना में सूर्यदेव को अर्घ्य दिया।

17 नवंबर से हुई छठ पूजा की शुरूआत

इस बार छठ पूजा की शुरूआत 17 नवंबर से हुई थी। छठ महापर्व की शुरूआत नहाय खाय से होती है। छठ के दूसरे दिन खरना और तीसरे दिन सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है। जबकि चौथे दिन पारण देने की प्रथा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, छठ पूजा की शुरूआत कार्तिक शुक्ल षष्ठी के दिन से होती है इसी दिन से व्रती महिलाएं छठ का व्रत रखती हैं। इस दिन महिलाएं शाम के समय किसी नदी या तालाब में खड़े होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देती हैं।

कलाशांति ज्योतिष

साप्ताहिक राशिफल 22 नवंबर से 28 नवंबर 2023

मेष

मेष राशि वाले जातकों को इस सप्ताह पूरी तरह से अनुकूल रहने वाला है। इस सप्ताह आपको सुख, सौभाग्य और स्वजनों से सभी प्रकार का सहयोग प्राप्त होगा। आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे, जिससे आपके भीतर एक अलग ही उत्साह और उर्जा देखने को मिलेगी। इस दौरान आपको सत्ता-सरकार से जुड़े लोगों की पूरी मदद मिलेगी, आपकी आमदनी के साधनों में लगातार वृद्धि होती हुई नजर आएगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के सप्ताह की शुरूआत में मनचाही सफलता पाने के लिए अपने काम को समय पर और बहुत सूझ-बूझ के साथ करने की जरूरत रहेगी क्योंकि इस सप्ताह आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपको स्वजनों और शुभचिंतकों की समय पर मदद नहीं मिल पाएगी। इस दौरान आपको अपने कार्य को पूरा करने के लिए अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस दौरान धन का अधिक व्यय और मान हानि का योग बन रहा है।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह आपाधापी से भरा रह सकता है। इस सप्ताह आपको आपको अपने सोचे हुए कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में कार्य की अधिकता के चलते और खराब जीवनशैली के चलते आपकी सेहत प्रभावित हो सकती है। इस दौरान आपको मौसमी अथवा किसी पुरानी बीमारी के उभरने के कारण शारीरिक कष्ट भी झेलना पड़ सकता है।

कर्क

कर्क राशि वालों के लिए यह सप्ताह बेहद अनुकूल रहने वाला है। सप्ताह की शुरूआत से ही आप पर किस्मत मेहरबान नजर आएगी। इस सप्ताह नौकरीपेशा लोगों की मनचाही जगह पर तबादले या फिर मनचाहे प्रमोशन की कामना पूरी हो सकती है। इस सप्ताह कार्यक्षेत्र पर सीनियर और जूनियर दोनों ही आप पर पूरी तरह से मेहरबान रहेंगे। करियर और कारोबार के सिलसिले में की गई यात्राएं शुभ एवं लाभप्रद साबित होंगे।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बेहद शुभ रहने वाला है। सप्ताह की शुरूआत से ही आपका अधिकांश समय स्वजनों एवं मित्रों के साथ मौज-मस्ती करते हुए बीतेगा। सप्ताह की शुरूआत में किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान समाजसेवा या राजनीति से जुड़े लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि या सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

कन्या

कन्या राशि वाले जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह कन्या राशि के जातकों को सप्ताह के शुरूआत में ही करियर-कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी। यदि आप लंबे समय से किसी काम की शुरूआत करने की योजना बना रहे थे तो आपकी यह योजना शुभचिंतकों और परिजनों के सहयोग से पूरी हो जाएगी।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। शुरूआत में मार्केटिंग से जुड़े लोगों को अपनी वाणी और व्यवहार पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता रहेगी क्योंकि इस दौरान इन दोनों के कारण ही आपके काम बनेंगे या बिगड़ेंगे। आम जीवन में भी लोगों के साथ बात-व्यवहार करते समय आपको इस बात का खूब ध्यान रखना होगा वरना स्वजनों के साथ सालों से चले आ रहे संबंध में दरार पड़ सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। नतीजतन आपको इस सप्ताह करियर-कारोबार में अप्रत्याशित सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी। सोचे हुए कार्य मनमुताबिक होते हुए नजर आएंगे। घर-आंगन में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। यदि आप अविवाहित हैं तो आपका विवाह तय हो सकता है। घर-परिवार से जुड़े किसी बड़े फैसले को लेते समय परिजनों का पूरा सहयोग और समर्थन हासिल रहेगा।

धनु

धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह किसी भी काम का बीड़ा उठाते समय खूब सोच-विचार करने की जरूरत रहेगी अन्यथा उसके अधूरे अथवा असफल हो जाने पर आपकी छवि पर दाग लग सकता है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में उन लोगों से विशेष रूप से सावधान रहने की जरूरत रहेगी। इस दौरान कामकाज में किसी भी तरह की लापरवाही बरतने या फिर किसी के साथ लूज टॉक करने से बचें।

मकर

मकर राशि के जातकों यह सप्ताह मिलाजुला साबित होने वाला है। सप्ताह की शुरूआत में आपके सामने कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं, जिनके कारण आपका बजट गड़बड़ा सकता है। इस सप्ताह आर्थिक और मानसिक परेशानियों से बचने के लिए धन एवं ऊर्जा का प्रबंधन करके चलें। इस दौरान कार्यक्षेत्र में लोगों की बातों को ज्यादा तूल न देकर अपने काम पर फोकस करना ज्यादा उचित रहेगा।

कुंभ

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ और सभी कार्यों में सफलता दिलाने वाला साबित होगा। शुरूआत में ही किसी मित्र अथवा व्यक्ति विशेष की मदद से आपका लंबे समय से अटका काम पूरा होगा। इस सप्ताह आपको स्वजनों से सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होगी। सभी कार्य समय पर और मन मुताबिक होने पर आपका मन प्रसन्न रहेगा। सप्ताह के मध्य में आपको बहुप्रतीक्षित चीज की प्राप्ति हो सकती है।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले कहीं ज्यादा शुभ और लाभप्रद साबित होगा। यदि आप बीते कुछ समय से किसी रोग या बीमारी के चलते शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे तो आपको इस सप्ताह उसमें काफी सुधार देखने को मिलेगा। इस सप्ताह आपको सिर्फ रोग या शोक से ही मुक्ति नहीं मिलेगी। किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से भूमि-भवन के विवाद का निबटारा हो सकता है।

क्या सचमुच पैट कमिंस को बिना बधाई दिए लौटे पीएम मोदी ?

सोशल मीडिया पर पैट कमिंस का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसे देखकर ऐसा लग रहा है कि पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलियन वाइस प्राइम मिनिस्टर रिचर्ड मार्ल्स उन्हें ट्रॉफी देकर तुरंत ही वहां से चले गए ...

• नई दिल्ली, एजेंसी।

वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मैच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। जहां, ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से रोहित एंड कंपनी को हराकर उनका ट्रॉफी जीतने का सपना चूर-चूर कर दिया। इस फाइनल मैच को देखने कई बड़ी हस्तियां स्टेडियम पहुंची थीं, इसमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम भी शामिल रहे। मगर, इस वक्त सोशल मीडिया पर पैट कमिंस का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसे देखकर ऐसा लग रहा है कि पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलियन वाइस प्राइम मिनिस्टर रिचर्ड मार्ल्स उन्हें ट्रॉफी देकर तुरंत ही वहां से चले गए और कमिंस वहां उनका मुंह देखते रह गए। मगर ऐसा नहीं है या यूं कहें, इस वीडियो में आपको आधा ही सच नजर आ रहा है। तो आइए आपको इस पूरे वाक्ये दिखाते हैं कि आखिर वहां क्या हुआ था।

वायरल हो रहा अधूरा वीडियो

वर्ल्ड कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया के जीतने के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। इस क्लिप में देखा जा सकता है कि पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलियन वाइस प्राइम मिनिस्टर रिचर्ड मार्ल्स उन्हें ट्रॉफी देते हैं और जाने लगते हैं। ऐसा लगता है कि विनिंग कैप्टन को पीएम ने बधाई नहीं दी और ना ही उनके साथ फोटो क्लिक कराई। यहां तक की पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। मगर, अब इसका पूरा वीडियो सामने आया है। जिसमें साफ देख सकते हैं कि प्रधानमंत्री ना केवल पैट कमिंस को ट्रॉफी देते हैं, बल्कि पटाखों के धूम-धड़ाके के बीच उन्हें बधाई देकर फोटो भी क्लिक कराते हैं। और वह वहां से तुरंत इसलिए निकल जाते हैं, क्योंकि स्टेज से नीचे बाकी के कंगारू प्लेयर्स इंतजार कर रहे होते हैं। उन सभी प्लेयर्स से हाथ मिलाकर पीएम बधाई देते हैं।

फाइनल हारने के बाद सचिन तेंदुलकर ने खिलाड़ियों में फिर जगाया जोश

• नई दिल्ली, एजेंसी।

वर्ल्ड कप 2023 में 140 करोड़ भारतीय फैंस टीम इंडिया से ट्रॉफी की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन, फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर उन सभी सपनों को चूर-चूर कर दिया। फाइनल में 6 विकेटों से हारने के बाद जहां पूरी टीम और फैंस मायूस दिखे। वहीं, मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने पोस्ट किया है, जो सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा वायरल हो रहा है।

क्या बोले सचिन तेंदुलकर?

ऑस्ट्रेलिया के साथ खेले गए फाइनल मैच में टीम इंडिया को करारी हार मिली। इसी के साथ एक बार फिर टीम इंडिया ट्रॉफी जीतने से चूक गई। मगर, फैंस और हर पूर्व क्रिकेटर ने भारतीय टीम के टूनार्मेंट में किए प्रदर्शन की सराहना की है। इसी कड़ी में सचिन तेंदुलकर ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और लिखा- "ऑस्ट्रेलिया को छठी विश्व कप जीत पर बधाई। सबसे बड़े मंच के सबसे महत्वपूर्ण दिन पर उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला। किसी स्टर्लिंग टूनार्मेंट में सिर्फ एक खराब दिन दिल तोड़ने वाला हो सकता है। मैं खिलाड़ियों, फैंस की दुख की कल्पना कर सकता हूं और उन पर क्या गुजर रही होगी ये भी समझता हूं। हार खेल का हिस्सा है। लेकिन, हमें याद रखना चाहिए कि इस टीम ने पूरे टूनार्मेंट में हमारे लिए अपना सब कुछ दिया।"

विश्व कप फाइनल मैच में क्यों नहीं बुलाए कपिल देव?

भारत के 1983 विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने दावा किया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 का फाइनल देखने के लिए आमंत्रित नहीं किया था

• नई दिल्ली, एजेंसी।

गुजरात के अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में विश्व कप 2023 का फाइनल मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया। विश्व कप के इस महामुकाबला को देखने के लिए आए दर्शकों से दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम खचाखच भरा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, शाहरूख खान, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और अनुष्का शर्मा से लेकर तमाम दिग्गज आज मैच देखने नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंचे हुए थे। लेकिन ऐसे में क्रिकेट के सूरमा और 1983 में भारत को पहला विश्व कप दिलाने वाले पूर्व क्रिकेटर कपिल देव कहीं नजर नहीं आए। लोगों की नजरें बार-बार कपिल देव को तलाश कर रहीं थी। लेकिन कपिल देव मैच के दौरान स्टेडियम में बाकि क्रिकेटर्स और पूर्व क्रिकेटर्स के साथ मौजूद नहीं थे। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह था कि क्या कपिल देव को विश्व कप फाइनल मैच का निमंत्रण नहीं दिया गया था।

दरअसल, भारत के 1983 विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने दावा किया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 का फाइनल देखने के लिए आमंत्रित नहीं किया था। भारत के तीसरी बार क्रिकेट विश्व कप का खिताब जीतने के लिए देशभर में प्रार्थनाएं हो रही हैं। लेकिन कपिल देव थोड़े नाराज हैं। एक न्यूज चैनल के साथ एक साक्षात्कार में कपिल देव ने दावा किया कि उन्हें मैच के लिए आमंत्रित नहीं किया गया, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में भाग लेंगे। कपिल देव ने कहा, मैं तो चाहता था कि मेरी पूरी 83 की टीम को भी बुलाते तो और भी बेहतर होता। लेकिन, इतना काम चल रहा है। इतने लोग हैं। इतनी जिम्मेदारी है। कभी-कभी लोग भूल जाते हैं।

भारतीय टीम ने 1983 में फाइनल में वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार वनडे विश्व कप ट्रॉफी जीती थी

कपिल देव की भारतीय टीम ने 1983 में फाइनल में वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार वनडे विश्व कप ट्रॉफी जीती थी। कपिल देव ने कहा, इससे पहले, कुछ मीडिया रिपोर्टों में सुझाव दिया गया था कि बीसीसीआई पिछले विश्व कप विजेता कप्तानों को सम्मानित कर सकता है।

हिन्दी का राष्ट्रीय राजनैतिक साप्ताहिक
राजनीतिक तरकस
देश का सबसे तेज साप्ताहिक
राष्ट्रीय विचार, सटीक समाचार
प्रचार है तो व्यापार है,
अपने व्यवसाय, राजनीति से जुड़ी
वार /त्यौहार/ जयंती/ पुण्यतिथि/ चुनावी अभियान का विज्ञापन
अब देश के लोकप्रिय हिंदी अखबार
एवं डिजिटल न्यूज़ पोर्टल
'राजनीतिक तरकस'
में दें।
जुड़े अपनों के साथ ऑनलाइन बुकिंग की अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Email:tarkasnews@gmail.com Mob:9990170069
Website: www.neetiktarkas.in

मिस यूनिवर्स 2023

का खिताब शेन्निस पलासियोस के नाम

निकारागुआ की शेन्निस पलासियोस मिस यूनिवर्स 2023 बन गई हैं। 72वीं मिस यूनिवर्स सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन अल साल्वाडोर के जोस एडोल्फो पिनेडा एरेना में किया गया था। जहां मिस यूनिवर्स 2022 की विजेता आर'बोनी गेब्रियल ने अगली 2023 यूनिवर्स को अपना ताज पहनाया। निकारागुआ, ऑस्ट्रेलिया और थाईलैंड ने शीर्ष तीन में जगह बनाई थी, लेकिन शेन्निस पलासियोस कॉम्पिटिशन जीतकर मिस यूनिवर्स 2023 बन गई हैं। इंडियन कॉम्पिटिटर श्वेता शारदा ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया था और शीर्ष 20 में शामिल थीं, लेकिन वह इसमें जगह नहीं बना सकीं।

इंडियन कैंडिडेट श्वेता शारदा

शीर्ष 20 में जगह बनाने वाली श्वेता शारदा 23 साल की चंडीगढ़ में जन्मी मॉडल हैं, जिन्हें मिस दिवा यूनिवर्स का ताज पहनाया गया था। पिछले साल, श्वेता ने टफ कॉम्पिटिशन में 15 अन्य कंडिडेट्स के बीच खड़े होकर मुंबई में समारोह में प्रतिष्ठित मिस दिवा यूनिवर्स का खिताब हासिल किया था। ताज पहनाए जाने का पल बहुत स्पेशल था, क्योंकि उन्हें पिछले वर्ष की विजेता दिविता राय से सम्मान मिला था। शारदा का जन्म चंडीगढ़ में हुआ था लेकिन 16 साल की उम्र में वह मुंबई आ गईं। उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री पूरी की थी। जिसके बाद उन्होने मॉडल पेशे को चुना। मॉडल होने के साथ-साथ एक डांसर भी हैं।

मिस यूनिवर्स 2023 में हुए कई पड़ाव

इस बार मिस यूनिवर्स के चयन के लिए कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने वाली कंटेस्टेंट को अलग-अलग चरणों से गुजरना पड़ा। इसमें परसनल स्टेटमेंट, इंटरव्यू और शाम के गाउन और स्विमवीयर में पेशकश शामिल हैं। द मोस्ट अवेटेड कॉम्पिटिशन की मेजबानी जेनी मॅई जेनकिंस और मारिया मेननोस और पूर्व मिस यूनिवर्स ओलिविया कल्पो ने की। 12 बार की फेमस ग्रैमी विजेता जॉन लीजेंड ने भी अपने म्यूजिक से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस साल मिस यूनिवर्स कॉम्पिटिशन में करीब 84 कंटेस्टेंट ने हिस्सा लिया।

इंस्टाग्राम पोस्ट

अनन्या को पसंद हैं जहरीले सांप

अनन्या पांडे डेटिंग के अलावा भी काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहती हैं। खासतौर पर अनन्या पांडे की एक इंस्टा पोस्ट तेजी से वायरल हो जाती है। एक्ट्रेस ने हाल में अपने बॉयफ्रेंड आदित्य रॉय कपूर को जन्मदिन की बधाई देकर काफी सुर्खियां पाई थीं। इधर अनन्या की लेटेस्ट पोस्ट ने फैंस को हैरान कर दिया है। एक्ट्रेस ने कुछ तस्वीरें साझा कर बताया कि उन्हें सांप बहुत पसंद हैं। तस्वीरों में अनन्या अजगर जैसे खतरनाक सांप को हाथ में लेकर खेलती नजर आ रही हैं।

अनन्या पांडे ने आज 19 नवंबर को इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज साझा की हैं। इनमें एक्ट्रेस के हाथ में अजगर और सांप हैं। उन्होंने फोटो शेयर करते हुए सांप और छोटे पिल्लों को अपना फवरेट एनिमल मताया। फोटोज को देखकर हर कोई हैरान है। अनन्या ने ओरेंज कलर की मिनी ड्रेस पहनी हुई है। ऑफ शोल्डर ड्रेस में एक्ट्रेस बेहद क्यूट लग रही हैं। हाथ में अजगर और सांप पकड़कर एक के बाद एक फोटोज क्लिक करवा रही हैं। कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा- 'मेरे लिए स्वर्ग की परिभाषा।।।पपीज और स्नेक्स। मेरे दो फेवरेट एनिमल्स।' फैंस एक्ट्रेस स मजेदार सवाल पूछ रहे हैं। कुछ यूजर्स ने लिखा, पपीज तो हमें भी पसंद हैं लेकिन सांप किसे पसंद होते हैं। सांप खतरनाक होते हैं। फैंस ने अनन्या पांडे से सांप से दूर रहने की अपील की। साथ ही कुछ लोग अनन्या की दरियादिली और क्यूटनेस की तारीफ करते नजर आए।

मेरी कॉलेज 24 नवंबर को करेगा अनुंतरा का आयोजन

- दिल्ली ब्यूरो राजनीतिक तरकस

मेरी कॉलेज के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा 24 नवम्बर को अनुंतरा शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल का आयोजन होगा। फिल्म फेस्टिवल का स्थल कॉलेज का सेमिनार हॉल है। समय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक है। इस शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल के प्रवेश के लिए कॉलेज के छात्रों और स्कूल के छात्र जो मीडिया अध्ययन कर रहे हैं, के लिए खुली हैं। सामाजिक न्याय, स्वच्छ भारत अभियान, प्राकृतिक संकट, ग्लोबल वार्मिंग, और भविष्य समाज इस फिल्म फेस्टिवल के विषय हैं। मीडिया उद्योग से एक कुशल व्यक्ति जैसे के जज भी आएंगे। प्रवेश जमा करने की 15 नवम्बर आखिरी तारीख है।